Seventeenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding incident of mob lynching in Jharkhand.

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा): आदरणीय सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे झारखंड से संबंधित एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय उठाने का मौका दिया है । मैं आपके ध्यान में लाना चाहूंगा कि 6 फरवरी को सरस्वती पूजा के मूर्ति विसर्जन के समय झारखंड में साम्प्रदायिक भीड़ द्वारा 17 वर्षीय श्री रुपेश पांडेय की हत्या कर दी गई । वह सिकन्दर पांडेय का पुत्र था । वह विसर्जन के जुलूस में जा रहा था । वहां की साम्प्रदायिक शक्तियों के जो धर्मान्ध लोग थे, उन्होंने सरस्वती पूजा विसर्जन के जुलूस को घेरकर सरेआम उसकी नृशंस हत्या की । उसको बुरी तरह से पीटा गया और अस्पताल जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया ।

महोदय, यह हिंसक हमला था, जो मॉब लिंचिंग के अपराध में आता है, लेकिन राज्य सरकार इसको मॉब लिंचिंग से बचाकर तुष्टीकरण के आधार पर इस पूरी घटना को किसी तरह से समाप्त करना चाहती है । जिस तरह से गुंडागर्दी मचाई गई, उससे दहशत का यह माहौल था कि हजारीबाग, गिरिडीह, चतरा, रामगढ़, जो आसपास के जिले हैं, वहां इंटरनेट की सेवाएं ठप कर दी गईं । वे सेवाएं कल शुरू हुई हैं ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के गृह मंत्रालय से यह पूछना करना चाहता हूं कि जो इस देश के बहुसंख्यक हैं, उनको अपने धार्मिक प्रयोजनों को पूरा करने का अधिकार है या नहीं ? जिस तरह से झारखंड में लगातार नृशंस हत्याएं हो रही हैं, वे साम्प्रदायिकता के आधार पर हो रही हैं । मैं इसलिए भी यह बात कहना चाह रहा हूं, क्योंकि ऐसे दोहरे चरित्र के लोग, जो एक ओर उत्तर प्रदेश में विभिन्न मंदिरों में गंगा किनारे जाकर मंदिर में जनेउ धारण करके वोट मांग रहे हैं, वहीं झारखंड में सत्ता में बैठकर इनका क्रूर चेहरा सामने आ रहा है । इस पर रोक लगाने की जरूरत है ।

अत: मैं आपके माध्यम से गृह मंत्रालय से मांग करता हूं कि अविलंब इस प्रकरण को संज्ञान में लिया जाए और भविष्य में इस तरह की घटना पर रोक लगाने हेतु आवश्यक निर्णय लिया जाए। धन्यवाद।